वर्ष-6, अंक 24, अप्रैल-जून 2020

तमसो मा ज्योतिर्गमय

ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

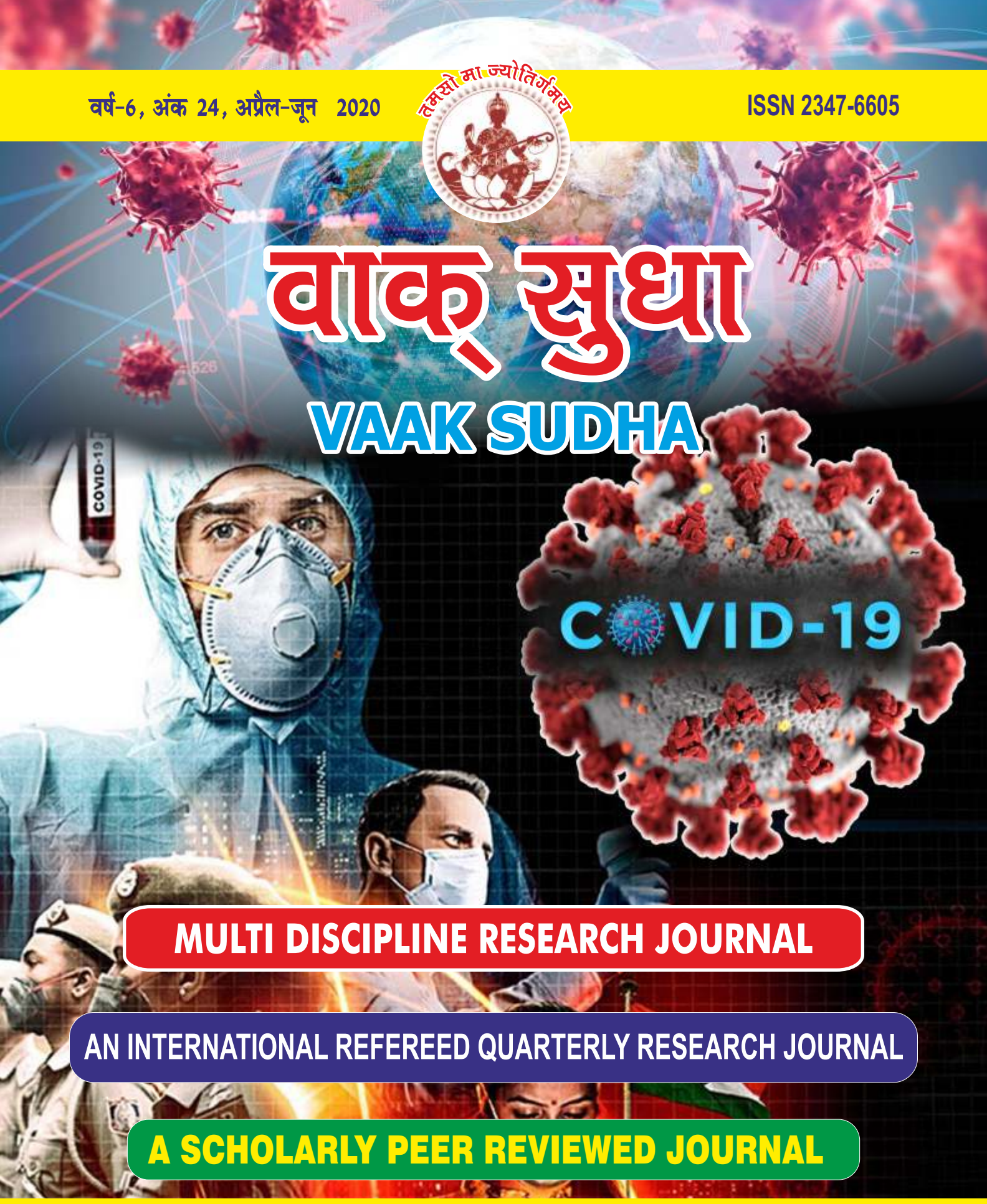

MULTI DISCIPLINE RESEARCH JOURNAL

AN INTERNATIONAL REFEREED QUARTERLY RESEARCH JOURNAL

A SCHOLARLY PEER REVIEWED JOURNAL

www.vaaksudha.com

वर्ष : 6 • अंक : 24 • अप्रैल-जून 2020 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या-09555222747, 09540468787, 0991158532, 09266319639

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वय की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* यह पत्रिका मूलत: पाठकीय/लेखकीय अनुदान अथवा सहयोग राशि से ही प्रकाशित होती है।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**

*** शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
  (निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
  (पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
  (पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
  (पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
  (अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
  (संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
  (पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
  (प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
  (पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
  (हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
  (अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
  (पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. राम भरत सिंह**
  (पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रामप्रवेश कुमार**
  (संस्कृत विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
  (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
  (अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
  (पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
  (इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
  (राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गजेन्द्र सिंह**
  (एसोसिएट प्रोफेसर, अफ्रीकन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
  (कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)
- **प्रो. रसाल सिंह**
  (प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. हरीश अरोड़ा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (सांध्य), दिल्ली)
- **डॉ. मनोज कुमार सिन्हा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **लाजपत राय**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र, सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **उमेश कुमार**
(इतिहास विभाग, श्रद्धानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राम प्रमोल कुमार**
(संस्कृत विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, बंगाल)
- **डॉ. संजय सेठ**
(हिन्दी विभाग, सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. के.के. झा**
(हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. अमित सुमन**
(इतिहास विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-शास्त्र, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 9

नारी जीवन के विविध आयाम : संस्कृत साहित्य के आलोक में विल्हण का काव्य-ग्रंथ 10
कुमारी सुलेखा रानी

अभिज्ञान शाकुंतल में शकुंतला और दुष्यंत का दाम्पत्य जीवन 12
डा. सुजाता कुमारी

मैत्रेयी पुष्पा की आत्मकथा 'गुड़िया भीतर गुड़िया' में अभिव्यक्त पारिवारिक संघर्ष 15
अंकित अभिषेक

कालिदास के महाकाव्य में प्रकृति विशेषकर प्रेरणा ग्रहण 22
मणि वाजपेयी

ग्रामीणों के सामाजिक विकास में शिक्षित महिलाओं का योगदान विशेषकर वैधानिक अधिकार के संदर्भ में 26
डॉ. प्रमोद कुमार प्रभाकर

महाभाष्यकालीन आर्थिक स्थिति विशेषकर राजकीय आय 29
डॉ० इंद्रजीत कुमार

सामाजिक सुधार और गाँधी-अम्बेडकर का तुलनात्मक अध्ययन 32
डॉ. रेखा कुमारी

श्रीमद्भगवद्गीता में दार्शनिक तत्त्व 35
माधव झा

हिंदी दलित कविता : इतिहास बोध का स्वरूप .. 38
डॉ. चैनसिंह मीना

सच्चिदानंद सिन्हा का पटना विश्वविद्यालय के वायस चांसलर के रूप में मूल्यांकन 43
डॉ० समरेन्द्र नाथ विश्वास

स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों में साम्प्रदायिक सम्बन्ध 48
डॉ. नवीन कुमार

विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) और भारतीय निर्यात व्यापार का एक अध्ययन 51
डॉ. चन्द्रमणि प्रसाद

नालन्दा जिला में ग्रामीण बेरोजगारी को दूर करने में मनरेगा (नरेगा) की भूमिका 55
डॉ. रंजु कुमारी

वेद, उपनिषदों एवं भगवद्गीता में 'मन' से सम्बन्धित विचार 62
डा. प्रीति शुक्ला

सूरकाव्य : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की दृष्टि में 65
रिंकु कुमारी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रासंगिकता 68
प्रो. रसाल सिंह

वैश्विक समस्याओं का गीतोक्त समाधान 75
डॉ. ललन कुमार पाण्डेय

भारतीय परम्परा में गृहस्थ आश्रम का महत्त्व 78
डॉ. सुजाता कुमारी

रामधारी सिंह दिनकर और रामनरेश त्रिपाठी की कविताओं में राष्ट्रवादी विचारधारा : एक अध्ययन 81
डॉ. स्नेहा कुमारी

'एक इंच मुस्कान' में नारी स्वतंत्रता के स्वर 87
विनीता कुमारी

नागार्जुन के उपन्यासों में नारी की राजनीतिक स्थिति 90
स्मिता कुमारी

त्रिलोचन की कविताओं में युगबोध 92
डॉ. रमण कुमार झा

गुरु गोबिंद सिंह जी के साहित्य में अर्थशास्त्रीय मूल्य 99
डॉ. शोभा कौर

नक्सलवाद के उद्भव के मूल कारणों का विश्लेषण 103
डॉ. प्रिंसी प्रिया राय

दक्षिण भारत में मंदिर प्रवेश आन्दोलन में श्रीनारायण गुरु का योगदान - एक ऐतिहासिक विमर्श 108
गायत्री सिन्हा

ग्रामीण विकास में स्वयंसेवी संस्थानों की उपादेयता 112
डॉ. मंजु कुमारी सिन्हा
शिक्षा में सुधार, शिक्षा से सुधार 117
धर्मवीर प्रसाद
डॉ॰ सच्चिदानन्द सिन्हा का प्रारम्भिक जीवन और तत्कालीन बिहार की राजनैतिक, सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सर्वेक्षण 121
रीता कुमारी
संत काव्य में हिंसा का प्रतिरोध 127
संतोष कुमार भारद्वाज
नागार्जुन की कविताओं में आत्मानुभूति 130
नीतू गौतम
रोजगार विहीनता और विकसित भारत की कल्पना 132
धर्मवीर प्रसाद
ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों में प्रतिरोध का स्वर 136
सुनील कुमार वर्मा
मौर्योत्तर कालीन समाज में विधवा स्त्री की स्थिति : एक विवेचना 140
डॉ. प्रशांत कुमार
राजनैतिक चेतना के आलोक में नवजागरणकालीन हिन्दी पत्रकारिता 144
डॉ. पंकजेन्द्र किशोर
प्राचीन भारत में दंड नीति 149
डॉ. अवनीश कुमार
21वीं सदी में भारत-अमेरिका संबंध 153
जयवर्द्धन कुमार
दलित समस्या एवं समाधान : बिहार के संदर्भ में एक अध्ययन 157
संजीव कुमार
साम्राज्यवाद और लैंगिक प्रश्न 161
शैलेश रंजन
साहित्यों द्वारा शैक्षिक मूल्यों की तैयारी : आनंदमठ में नागरिक मूल्यों के विकास के सन्दर्भ में 167
सच्चिदानंद सिंह
स्वतंत्र भारत में बदलते मूल्य 173
डॉ. अनु कुमारी
संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार में समानता एवं अन्तर का विश्लेषण 179
डॉ. अंजु कुमारी
हिन्दी रंगमंच के अभिनेता की चिंता 184
भानु प्रताप सिंह
पाणिनीय व्याकरण परम्परा में यङ् प्रत्यय 186
डॉ भूपेन्द्र कुमार
दावानल : कारण, दुष्प्रभाव एवं समाधान 190
शाहिद अख्तर
नगरीय बाढ़ : कारण एवं समाधान 194
आबिद अख्तर
भारत-चीन संबंध का वर्तमान संदर्भ 199
डॉ. प्रदीप कुमार मांझी
सुरक्षा परिषद् का लोकतंत्रीकरण : भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी के संदर्भ में 202
डॉ. बालेश्वर माँझी
नियम एवं उदाहरण मिश्रित विधि से वेदान्त ग्रन्थों के व्याकरणिक विश्लेषण के लिए तद्धितान्त पदों की संगणकीय पहचान एवं विश्लेषण 206
डॉ. साक्षी
श्रीमद्भगवद्गीता में योग की अवधारणा 212
डा. मृत्युञ्जय कुमार
असाध्य वीणा : कर्तापन के भाव से विमुक्ति 216
डॉ. कंचन कुमारी
दिनकर काव्य में राजनीतिक चेतना 220
डॉ. वीरेन्द्र कुमार दत्ता
बालकृष्ण भट्ट की राष्ट्रीय चेतना 225
गुड्डू कुमार
हिन्दी साहित्य के मुख्य पात्रों में एक यह भी 'भोरई केवट' 228
रवीन्द्र सिंह
कर्मभूमि में राष्ट्रीय परिदृश्य 233
अभय कुमार
श्रीमद्भागवतमहापुराणे निरूपित वर्णाव्यवस्था 238
सचिन द्विवेदी
'जानकीजीवनम्' महाकाव्य का अंगीरस और उसका निर्वहण 241
डॉ. राधा कान्त तिवारी
भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी की भूमिका : एक सिंहावलोकन 244
डॉ. सुशान्त कुमार झा
मानव मूल्यों में बौद्ध सम्राट अशोक का योगदान 251
डॉ. नील कमल कुमार
केदारनाथ सिंह की कविताओं में ग्रामीण-संवेदना 254
अनुज कुमार

सम्पादकीय

वाक्सुधा का यह अप्रैल-जून 2020 अंक कोरोना काल के प्रकाशित हो रहा है। यह हम सबके लिए संकट का समय है। मार्च महीने में कोरोना के कारण अचानक स्कूल, कॉलेजों को बंद करना पड़ा, जबकि वह समय पढ़ाई-लिखाई के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। दसवीं-बारहवीं से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर तक सभी पाठ्यक्रम के लिए यह परीक्षा से पूर्व का समय होता है। अचानक लॉकडाउन की परिस्थिति में अध्ययन-अध्यापन के लिए ऑन लाइन माध्यम का प्रयोग किया गया, जो पिछले छह महीने से लगातार जारी है, पता नहीं स्थिति सामान्य कब होगी? हम सब कब स्कूल-कॉलेजों में पहले की तरह जाएंगे? अध्यापन और अध्ययन करेंगे? इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं है लेकिन कोरोना ने सेनेटाइज करने, मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग इत्यादि करना सिखा दिया है। ''दो गज दूरी मास्क है जरूरी'' यह नारा जीवन शैली का मूल मंत्र बन गया है।

अचानक महामारी के कारण एक तरफ छात्रों में बीमारी का भय बढ़ गया वहीं दूसरी तरफ भविष्य को लेकर अनिश्चिता का वातावरण है। छात्र-छात्राएँ, अभिभावकं सब तनाव में हैं। प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए जाना जानेवाला कोश, पटना, इलाहाबाद, मुखर्जी नगर उजड़ चुके हैं। प्रतियोगी घर जा चुके हैं। वहीं कोरोना की अच्छी बात यह रही कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्' हर किसी ने इम्युनिटी को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास करना शुरू कर दिया है। योग और आयुर्वेद के साथ-साथ प्राचीन भारतीय जीवन-शैली को लोगों ने अपनाना शुरू कर दिया है।

कोरोना काल में शिक्षा जगत् में एक अभूतपूर्व घटना 'वेबिनार' का होना रहा। कोरोना के संकट ने टेक्नोलॉजी के माध्यम से देश-विदेश के विद्वानों को सुनने समझने का अवसर हम सबको मिला। हालांकि 'अति' वहां भी हुई और हर कोई ऑन लाइन आने के लोभ में वेबिनारों की पवित्र भावना को तहस-नहस कर दिया। हर कोई घर में बैठे होने के कारण 30 वर्ष बाद रामायण-महाभारत को दूरदर्शन पर देखा जिससे नई पीढ़ी ने बड़े तन्मयता से सीखा। इस दौर में इंटरनेट की महत्ता और अवलम्बन इतना हो गया कि कई बार इंटरनेट ने भी हम सबको दुखी किया। समूची दुनिया ठहर-सी गई थी। धीरे-धीरे ऑनलाक भी हो रही है लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाक होने में समय लगेगा। परन्तु हम सबने देखा कि स्वच्छता से बीमारियों नहीं आती हैं, इसलिए गंदगी भगाइए। नित्य सुबह योग प्राणायाम का महत्व फिर से स्थापित हुआ है। इसलिए जितना संभव हो सके यह भी करिए। मन को वश में किया जा सकता है। आवश्यकताओं को सीमित किया जा सकता है, यह कोरोना ने हम सबको सिखाया है। इस बीच नई शिक्षा नीति भी आई है जिसकी चर्चा हम बाद में करेंगे। इस अंक में बहुत सारे लेख बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए हैं। यह पत्रिका के लिए उत्साहवर्धक है। पत्रिका का अगला अंक समय पर प्रकाशित होगा। अपना स्नेह इसी तरह बनाये रखें।

- डॉ. राजेश कुमार
(उप-संपादक)